

# भारत में बैंक अकाउंट कितने प्रकार के होते हैं? How Many Types of Bank Accounts in India

continuegyan.com/how-many-types-of-bank-accounts-in-india

आज सै आपको इस ब्लॉग पोस्ट **How Many Types of Bank Accounts in India** में यही बताने वाला हूँ कि बैंक अकाउंट कितने प्रकार के होते हैं और कौन से अकाउंट की क्या खूबियाँ और क्या सीमायें होती हैं।

बैंक में अकाउंट होना आज हर आदमी की एक अहम जरूरत है, प्रधानमंत्री जन धन योजना के बाद तो हर गरीब से गरीब आदमी के पास अपना बैंक खाता हो गया है।



एटीएम का इस्तेमाल करते समय आपने देखा होगा कि आपसे अपने बैंक खाते का विवरण जैसे Current या Saving Account होने के बारे में पूछा जाता है। लेकिन बहुत ही कम लोग ये जानते हैं कि चालू खाता यानि (**Current Account**) और बचत खाता यानि (**Savings Account**) में क्या अंतर होता है और उनकी क्या खूबियाँ और क्या सीमायें होती हैं।

## How Many Types of Bank Accounts in India

बैंक में आमतौर पर चार तरह के खाते होते हैं और ये चारों खाते अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से खोले जाते हैं।

### 1) बचत खाता (Savings Account)

यह खाता आम लोगों के लिए होता है और मिजी लेनदेन निपटाने के काम आता है लेकिन इस अकाउंट पर लेनदेन की सीमायें होती हैं, अमूमन एक दिन में बचत खाते से ज्यादा से ज्यादा 5 लेनदेन किये जा सकते हैं।

बचत खातों में जमाराशि पर बैंक व्याज भी देते हैं ज्यादातर बैंकों में ये व्याज की दर 4% से 6% के बीच में होती है इसीलिए बचत खाता खुलवाने से पहले बैंक कितना व्याज दे रहा है ये जरुर जान लेना चाहिए।

यहाँ ये भी जानना जरुरी है कि सेविंग्स अकाउंट के व्याज पर टैक्स लगता है, हालाँकि दस हजार रुपये सालाना व्याज पर टैक्स में राहत का प्रावधान है।

बचत खाता रखने वालों को बैंक की ओर से चेक बुक, डेबिट कार्ड या ATM कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इन्टरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसे सुविधाये मिलती हैं। इनमें ज्यादातर सुविधाये मुफ्त होती हैं लेकिन कुछ सेवाओं पर बैंक सर्विस फीस या शुल्क भी लेते हैं।

जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि सेविंग अकाउंट सेविंग करने के लिए ही बना है, हम सभी लोग ही चाहते हैं कि हमारे द्वारा जमा की गयी पैसों पर इंटरेस्ट या व्याज मिले और कम से कम अपने अकाउंट से पैसे मिलाएं, जितना जमा हो जाये उतना अच्छा है।

कोई भी आदमी किसी भी कंपनी में काम करता हो चाहे सरकारी नौकरी में हो या प्राइवेट नौकरी, बिजनेसमैन हो या स्टूडेंट किसी भी बैंक में अपना सेविंग्स अकाउंट खोल सकता है। बैंक खाता खोलने के दस्तावेज आपका आईडी प्रूफ और एड्रेस प्रूफ देकर खोल सकते हैं।

जैसा कि मैंने बताया सेविंग्स अकाउंट में खाताधारक को जमा की गयी राशि पर इंटरेस्ट भी मिलता है। बचत खाता के धारक कभी भी बैंक से अपने जमाधन को मिलाल सकते हैं और कभी भी बैंक में पैसे जमा कर सकते हैं।

सेविंग्स अकाउंट में पैसे जमा करने की संख्या में तो किसी भी प्रकार की बाधा नहीं होती, लेकिन पैसे मिलालने की संख्या में कुछ लिमिट जरुर होते हैं। जैसे कि आप 100 रुपये से कम नहीं मिलाल सकते हैं या ATM से 6 महीने के अंदर 30 बार से ज्यादा पैसे नहीं मिलाल सकते हैं।

चालू खाते की तरह आप कहीं भी कभी भी जितना चाहे उतना पैसा सेविंग अकाउंट से नहीं मिलाल सकते हैं। ज्यादातर बैंक ग्राहक को अपने अकाउंट में कम से कम राशि यानि **Minimum Account Balance** रखने के लिए बाध्य करते हैं और ऐसा नहीं करने पर उनसे जुर्माना भी वसूलते हैं।

इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के जरिये आप अपने जरुरी बिलों का भुगतान भी कर सकते हैं, ऑनलाइन शॉपिंग कर सकते हैं और किसी दूसरे को फण्ड ट्रान्सफर भी कर सकते हैं।

डेबिट कार्ड के जरिये भी पैसा मिलाल सकते हैं साथ ही शॉपिंग वगैरह भी करी जा सकती है। आमतौर पर बचत खाते में कम से कम राशि रखने की शर्त होती है, सरकारी बैंकों में ये राशि 500 से 1000 तक हो सकती है।

लेकिन प्राइवेट बैंक इस मामले में अलग है वहां 5000, 10000 से लेकर 25,000 रुपये तक की राशि रखना अपने अकाउंट में जरुरी होता है।

हालाँकि कुछ खातों जैसे कि स्टूडेंट अकाउंट, प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत खोले गए खाते, इन जैसे खातों में शुन्य बैलेंस भी रखा जा सकता है।

## 2) चालू खाता (Current Account)

चालू खाता आमतौर से बिजनेसमैन, फर्म या कंपनी वगैरह के लिए होता है जिनके अकाउंट में पैसों का बहुत ज्यादा फ्लो (Flow) होता है यानि लेनदेन होता है ऐसे खातों में लाखों रुपये आते हैं हर दिन और मिलाल भी लिए जाते हैं।

तो ऐसे लोग अपने चालू खाते में पैसे रखते हैं ऐसे अमीर लोगों या फर्म को इन्वेस्टमेंट करने या अपने पैसे पर ब्याज या इंटरेस्ट लेने में कोई रुचि नहीं होता है। चालू खाते की खूबी ये है कि इसमें पैसे जमा करने या निकालने की कोई सीमायें नहीं होती हैं। चालू खाते में धारक को इंटरेस्ट नहीं मिलता है और हाँ, बैंक उनसे सर्विस चार्ज जरुर वसूलते हैं।

चालू खाता बचत खाते से बिलकुल अलग होता है क्योंकि ये खाता खास तौर से कारोबारियों के लिए होता है, बिज़नेसमैन के लिए होता है।

इस खाते में बचत खाते की तरह लेनदेन की कोई सीमा नहीं होती है यानि एक दिन में आप कितने भी Transaction कर सकते हैं।

चालू खाते में जमाराशि पर ब्याज नहीं मिलता है, लेकिन इस खाते का सबसे बड़ा फायदा ये होता है कि बैंक कारोबारियों को इसके जारी पैसे देती है ताकि उनके बिज़नेस में रुकावट नहीं आये साथ ही बैंक चालू खाते में ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी देती है यानि चालू खाते से कारोबारी उसमें मौजूद रकम से ज्यादा पैसा भी निकाल सकते हैं।

किसी चालू खाते से कितनी राशि ओवरड्राफ्ट की जा सकती है इसका मिर्धारण बैंक खाताधारक के टर्नओवर, मुनाफा वगैरह को ध्यान में रखकर तय करते हैं। चालू खाता कोई भी व्यक्ति निजी रूप से या संयुक्त खाते के तौर पर खोल सकता है इसके आलावा कंपनियों, प्राधिकरणों, ट्रस्टों, समाजसेवी संस्थाओं या सोसाइटी द्वारा भी ये खाते खोले जा सकते हैं।

चालू खाते पर बैंक कई तरह की ऐसी सुविधायें देते हैं जिनसे खाताधारकों, कंपनियों या संस्थाओं को अपने कामकाज में आसानी होती है। इनमें डिमांड ड्राफ्ट या पे आर्डर जारी करने, NEFT/RTGS से फंड ट्रान्सफर, Doorstep बैंकिंग, चेक कलेक्शन, भुगतान और मुफ्त कैश डिपाजिट वगैरह शामिल हैं।

### 3) आवर्ती जमा खाता (Recurring Deposit Account)

RD अकाउंट में वो लोग खाता खोलते हैं जो एक निश्चित राशि नियमित रूप से जमा करना चाहते हैं जिससे कि उन्हें अधिक दर पर ब्याज या इंटरेस्ट मिले। RD अकाउंट में एक खास राशि तय अवधि के लिए जमा की जाती है और तय की गयी अवधि के समाप्त हो जाने पर ब्याज के साथ कुल राशि का भुगतान कर दिया जाता है।

जमा करने की कम से कम अवधि एक साल और ज्यादा से ज्यादा दस साल की होती है। ब्याज की दर जमा पैसे और जमा की गयी अवधि के हिसाब से विभिन्न प्लान में अलग-अलग हो सकती है।

जैसे कि आप अगर हर महीने दस हजार रुपये जमा कर रहे हैं तो आपको ज्यादा इंटरेस्ट या ब्याज मिलेगा उनलोगों की तुलना में जो चार हजार रुपये महीने में जमा कर रहे हो उन्हें कम इंटरेस्ट मिलेगा।

वहाँ अगर आप ज्यादा अवधि के लिए पैसे जमा करने वाले हैं तो ज्यादा इंटरेस्ट मिलेगा और कम अवधि के लिए तो कम इंटरेस्ट मिलेगा।

RD अकाउंट में समय से पहले निकासी यानि पैसे निकालने की सुविधा बिलकुल नहीं होती है, वैसे बैंक चाहे तो खाते की अवधि पूरी होने से पहले उसे बंद करने की अनुमति दे सकता है। आवर्ती जमा खाते यानि RD अकाउंट में सिंगल या संयुक्त खाता (Joint Account) भी खोले जा सकते हैं।

### 4) सावधि जमा खाता (Current Account Deposit / Fixed Deposit Account)

---

फिक्स्ड डिपाजिट अकाउंट में एक खास अवधि के लिए एक विशेष राशि रखी जाती है यहाँ एक बार ही पैसा जमा कर सकते हैं और एक बार ही मिकाल सकते हैं।

RD Account की ही तरह FD Account में भी समय से पहले पैसे मिकाल नहीं सकते हैं, तथा की गयी अवधि से पहले पैसे मिकलने से आपको बैंक को पेनल्टी यानि जुर्माना देना पड़ता है जो कि हर बैंक के द्वारा अलग-अलग तथा की जाती है और अकाउंट को हमेशा के लिए बंद कर दिया जाता है।

फिक्स्ड डिपाजिट में उपभोगता को हाई इंटरेस्ट रेट दिया जाता है, इंटरेस्ट रेट जमा पैसे और जमा की अवधि यानि डिपाजिट पीरियड के आधार पर तथा की जाती है जो कि ज्यादा से ज्यादा 10 साल की होती है।

आज आपने जाना कि बैंक अकाउंट कितने प्रकार के होते हैं और कौन से अकाउंट की क्या खूबियाँ और क्या सीमायें होती हैं। अगर आपको मेरा ये पोस्ट बैंक खाते कितने प्रकार के होते हैं **How Many Types of Bank Accounts in India** पसंद आया हो तो कृपया इसे शेयर कर दूसरे लोगों तक इस जानकारी को पहुंचाएं।

---

Copyright 2020 | [Continue Gyan](#)